TY BA Sem V 23-24 univ exam

समय : 3:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. नाटक का स्वरुप स्पष्ट करते हुए, नाटक के तत्वों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

एकांकी का स्वरुप स्पष्ट करते हुए नाटक और एकांकी के साम्य और वैषम्य को विवेचित किजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ–सहित व्याख्या कीजिए। 20

क) "मेरा तुझ पर अधिकार है। मैं तुझे ब्याह कर यहाँ से ले गया हूँ। पूरा समाज इसका गवाह है। तू मुझ पर गलत इलजाम लगा रही है। मैंने तेरे साथ कुछ भी गलत नही किया।"

अथवा

"तुम्हारा भाग्य ही खराब है। मैं क्या करुँ? मैंने तो झोले में दो काले पत्थर ही डाले थे। निर्णय तुम्हारे पक्ष में–ही आना था पर इस चालाक लड़की ने सारा खेल चौपट कर दिया।"

ख) "तो जाओ कीरत! आज तुम जैसे एक छोटे आदमी ने चित्तौड़ के मुकुट को सँभाला है। एक तिनके ने राजसिंहासन को सहारा दिया है।"

अथवा

"मैं माँ हूँ, माँ के दिल को समझती हूँ। जिस तरह उतावली होकर मैं गौरी की राह देख रही हूँ, उसी तरह तुम्हारी माँ भी कमला की राह देख रही होंगी।"

प्रश्न 3. 'काला पत्थर' नाटक में ग्रामीण परिवेश से संबंधित समस्याओं का चित्रण किस तरह से किया गया है स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

कल्लू सेठ का चरित्र-चित्रण कीजिए?

DA58407F2BE9AED491DD657F630DDFBC

muquestionpapers.com

प्रश्न 4. 'और वह जा न सकी' एकांकी में दांपत्य जीवन के संघर्ष और सामंजस्य भाव पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

'रात के राही' एकांकी के अधार पर मेजर वर्मा का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं **दो विषयों** पर टिप्पणियाँ लिखिए। 10×2=20

क) 'काला पत्थर' नाटक में चित्रित ग्राम सुधार समिति

ख) प्रभात का चरित्र-चित्रण

ग) 'जान से प्यारे' एकांकी का संदेश

घ) आचार्य आर्यभट्ट

****

muquestionpapers.com

DA58407F2BE9AED491DD657F630DDFBC